

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

वित्त नियन्त्रक,
दून विश्वविद्यालय,
केदारपुरम्, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-6

देहरादून दिनांक : अगस्त, 2010

विषय : दून विश्वविद्यालय के आवासीय एवं अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु एस0सी0एस0पी0 योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2010-2011 में प्राविधानित धनराशि को अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 356/04-11/एफसी-डीयू/2010 दिनांक 21, अप्रैल 2010 एवं पत्र संख्या: 520/4 (10)/एफसी-डीयू/2010 दिनांक 03, जून-2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि दून विश्वविद्यालय केदारपुरम् देहरादून के आवासीय/अनावासीय भवनों के प्रथम चरण निर्माण कार्य हेतु रुपये 10649.79 लाख का आंगणन स्वीकृत किये गये थे, जिसके अन्तर्गत प्रशासनिक/अकादमिक भवन-। जिसमें वर्तमान में छात्र/छात्राओं के क्लास रूम चल रहे हैं, की आंगणित धनराशि रुपये 1162.85 लाख है, अकादमिक भवन-।।। की आंगणित धनराशि रुपये 1297.94 लाख है । इसी प्रकार द्वितीय चरण के अन्तर्गत नये लेक्चर हॉल काम्पलेक्स की आंगणित धनराशि रुपये 599.82 लाख है। इस प्रकार कुल धनराशि रुपये 3060.61 लाख के अनावासीय भवनो का निर्माण चल रहा है, जिसमें उत्तराखण्ड शासन की आरक्षण नीति के तहत 19 प्रतिशत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है, अतः कुल लागत रुपये 3060.61 लाख का 19 प्रतिशत रुपये 581.52 लाख होता है, इस धनराशि के सापेक्ष वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुसूचित जाति उप योजनान्तर्गत (S.C.S.P.) प्राविधानित धनराशि रुपये 5,00,00,000.00 (रुपये पाँच करोड़ मात्र) को विश्वविद्यालय के पी0एल0ए0 खाते में जमा करने तथा यथा-आवश्यकतानुसार आहरित/व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त धनराशि का पूर्ण उपयोग अनुसूचित जाति उपयोजना (एस0सी0एस0पी0) के तहत अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के कल्याणार्थ नियमानुसार किया जायेगा ।

9

3. निर्माण कार्यों में Spatial Allocation तथा मूवमेन्ट प्लान पर विशेष ध्यान दिया जाय। निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा अनुमन्य दरों पर कराया जाय।
4. तृतीय पक्ष गुणवत्ता (Third party quality) सुपरविजन तथा अनुश्रवण की व्यवस्था निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व सुनिश्चित कर ली जाय। इसका व्यय कार्यदायी संस्था को देय चार्जेज (Centage) से किया जायेगा।
5. स्वीकृत की गई धनराशि उप निदेशक, उच्च शिक्षा, शिविर कार्यालय देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा आहरित कर निर्माण इकाई को अवमुक्त की जानी होगी।
6. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी मानी जायेगी। व्यय उन्हीं कार्यों एवं योजनाओं पर किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत की जा रही है। भविष्य में बिना शासकीय अनुमति के नए कार्यों को न जोड़ा जाये तथा इस हेतु भविष्य में कोई वृद्धि देय नहीं होगी।
7. अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-2011 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-30 के अधीन लेखा शीर्षक-2202 सामान्य शिक्षा- 03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-आयोजनागत- 102- विश्वविद्यालयों को सहायता-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-0203 दून विश्वविद्यालय-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या : 271(P)/XXVII(3)/ 2010 दिनांक 23,अगस्त-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(पी0सी0 शर्मा)
प्रमुख सचिव

संख्या- 86 (1) XXIV(6)/2010-तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- (1) महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून ।
- (2) आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल ।
- (3) प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, समाज कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
- (4) जिलाधिकारी, देहरादून ।
- (5) उप निदेशक, उच्च शिक्षा शिविर कार्यालय, देहरादून ।
- (6) वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- (7) निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड ।
- (8) निजी सचिव, मा0 मुख्यमन्त्री, उत्तराखण्ड शासन ।
- (9) परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0,
निर्माण इकाई देहरादून ।
- (10) वित्त व्यय अनु-3, /नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
- (11) बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून ।
- (12) समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन ।
- (13) गार्ड फाइल ।

आज्ञा से

(पी0एल0 शाह)

उप सचिव